संख्या-19/2022/001-74 2002 002 3 2022

प्रेषक,

कृष्ण कुमार,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
रेशम निदेशालय, उ0प्र0,
गोमती नगर, लखनऊ।

रेशम विकास अनुभाग-2 लखनऊः: दिनांकः 02 नवम्बर, 2022

विषयः वित्तीय वर्ष 2022-23 के अनुदान संख्यात-83-समाज कल्याण विभाग (अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना) में लेखा शीर्षक "4851-ग्राम तथा लघु उद्योगों पर पूँजीगत परिव्यय-789-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना-12-एरी रेशम विकास योजना (जिला योजना)" के अन्तिर्गत वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-311/सेरी0/लेखा बजट/2022-23, दिनांक 06 सितम्बर, 2022 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में अनुदान संख्या-83-समाज कल्याण विभाग (अनुसूचित जातियों के लिये विशेष घटक योजना) में लेखा शीर्षक "4851-ग्राम तथा लघु उद्योगों पर पूँजीगत परिव्यय-789-अनुसूचित जातियों के लिये विशेष घटक योजना-12-एरी रेशम विकास योजना (जिला योजना) अन्तर्गत कुल प्राविधानित धनराशि रू0 04.00 लाख (रूपये चार लाख मात्र) की निम्न तालिका के अनुसार राज्यपाल महोदया उल्लिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करती हैं:-

(धनराशि रूपये लाख में)

मद संख्या	**मद का नाम**	**वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु आवश्यक धनराशि**
26	मशीनें और सज्जा/उपकरण ओर संयंत्र	4.00
	योग-	**4.00**

(रूपये चार लाख मात्र)

योजनान्तर्गत उपर्युक्त धनराशि रू0 4.00 लाख जो कि मद संख्या-26 मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयत्र के लिये प्राविधानित की गयी है, को योजना से आच्छादित जनपदों के लिये निम्नवत आवंटित किया जाता है:-

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

क्रमांक	जनपद का नाम	26 मशीन साज-सज्जा मद में आवंटन
1	हमीरपुर	1.45
2	जालौन	1.45
3	चित्रकूट	1.10
	योग	4.00

<u>नियम व शर्तें / प्रतिबन्धों</u>

(1) उक्त स्वीकृत धनराशि का आवंटन (एलाटमेंट) मात्र किसी प्रकार के व्यय करने का प्राधिकार नहीं देता है। जिन मामलों में उ0प्र0 बजट मैनुअल और वित्तीय नियम संग्रहों तथा अन्य आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृत प्राप्त की जानी आवश्यक हो उन मामलों में व्यय करने के पूर्व सक्षम स्तर से ऐसी स्वीकृति/सहमति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

(2) उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग किसी भिन्न प्रयोजन के लिए नहीं किया जायेगा तथा वित्तीय नियमों का पूर्णतः अनुपालन किया जायेगा।

(3) उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग किए जाने के पश्चात यदि कोई धनराशि अवशेष बचती है, तो उसे शासन को विलम्बतम 25 मार्च, 2023 तक निश्चित रूप से समर्पित कर दी जाय।

(4) स्वीकृत धनराशि का व्यय करते समय मितव्ययिता का विशेष ध्यान रखा जाये तथा मितव्ययिता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाय।

(5) स्वीकृत धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र निश्चित रूप से प्रत्येक माह की 5 तारीख तक शासन को अवश्य उपलब्ध कराया जाये। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि स्वीकृत धनराशि का योजनान्तर्गत कारित कार्यों हेतु ही उचित उपयोग किया जा रहा हैं।

(6) योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में स्वीकृत धनराशि का सदुपयोग लक्षित प्रयोजन हेतु ही सुनिश्चित किया जाय।

(7) योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में स्वीकृत की गयी धनराशि के फेजिंग कार्य की प्रगति एवं अवसर के अनुसार किया जाय, जहाँ तक संभव हो व्यय की फेजिंग वित्तीय वर्ष के लिए प्रति माह समान रूप से की जाय। वित्तीय वर्ष के अन्तिम त्रैमास में कुल स्वीकृत धनराशि के 30 प्रतिशत से अधिक धनराशि तथा वित्तीय वर्ष के अन्तिम माह में 15 प्रतिशत से अधिक धनराशि का व्यय न किया जाय।

(8) उक्त स्वीकृत धनराशि का सदुपयोग वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-13/2022बी-1-454/दस-2022-231/2022 दिनांक 07-06-2022 एवं समाज कल्याण (बजट प्रकोष्ठ) उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या-7/26-ब0प्र0-2015 दिनांक 27-03-2015 में दिये गये शर्तो/नियमों के अनुसार कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

(9) कोविड-19 के फलस्वरूप उत्पन्न विशेष परिस्थितियों के संबंध में वित्त विभाग द्वारा जारी शासनादेशों में दिये गये निर्देशों का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2- इस संबंध में होने वाला व्यय रूपये 4,00,000 (रूपये चार लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-083 लेखा शीर्षक 4851007891200 एरी रेशम विकास की योजना (जिला योजना) मानक मद 26 मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयत्र के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-13/2022/बी-1-454/दस-2022-231/2022 दिनांक 07 जून 2022 में प्रशासकीय विभाग को उक्तवत प्रतिनिधनित अधिकार के अंतर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

कृष्ण कुमार
विशेष सचिव।

संख्या- 19 /2022/001-74 2002 002 3 2022-**तददिनांक**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

(1) महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), प्रथम व द्वितीय, 20 सरोजनी नायडू मार्ग, उ0प्र0, इलाहाबाद।
(2) निदेशक, रेशम निदेशालय उ0प्र0, गोमती नगर, लखनऊ।
(3) जिलाधिकारी, जालौन, बाँदा, चित्रकूट, एवं हमीरपुर।
(4) मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
(5) वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी, रेशम निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
(6) निदेशक, वित्तीय एवं सांख्यिकीय निदेशालय, उ0प्र0 जवाहर भवन, लखनऊ।
(7) वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-1
(8) वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1/2,
(9) समन्वय अनुभाग/उद्यान अनुभाग।
(10) नियोजन अनुभाग-4
(11) गार्ड फाईल/कार्यालय प्रति।

आज्ञा से,

बी0बी0 सिंह
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in